अभियोजन अधिकारी व पुलिस अधिकारियों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने को लेकर

संभागीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

एकजुट होकर पीडितों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए - एसपी सिंह

धार से रिपोर्टर -अमन चौहान

धार। लोक अभियोजन संचालनालय के संचालक के आदेश पर 75 वा आजादी का अमृत महोत्सव पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी अर्चना डांगी ने बताया कि जिले के अभियोजन अधिकारीगण एवं पुलिस अधिकारीगण के व्यावसायिक दक्षता संवर्धन हेतु कार्यशाला का आयोजन जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा जिला पंचायत कांफ्रेंस हाल में किया गया। जिसमें दक्षता संवर्धन हेतु सफलतापूर्वक प्राप्त किया। जिसमें मुख्य अतिथि एसपी आदित्य प्रताप सिंह, जिला वैज्ञानिक अधिकारी पिंकी मेहरडे, सेनि उपसंचालक अभियोजन विमल कुमार छाजेड, अशोक कुमार सोनी, उपसंचालक अभियोजन टीसी बिल्लौरे, रामदास जमरे जिला लोक अभियोजन अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए एसपी सिंह ने कहा कि हमें एकजुट होकर पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। छाजेड द्वारा कार्यशाला में क्राईम और इन्वेस्टिगेशन के बारे में जानकारी दी। साथ ही सोनी द्वारा मादक पदार्थो के बारे में कार्रवाई को लेकर एनडीपीएस एक्ट के बारे में बताया।

सायबर क्राइम ५ प्रतिशत के करीब बढा

बिल्लौरे ने कार्यशाला के विषयों व उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी देते कहा कि पिछले 4-5 साल में सायबर अपराध 2-5 प्रतिशत से अधिक हो गए है जिसमें शिक्षकों को इसलिए शामिल किया गया है क्योकि हमें यह जानकारी देना जरूरी हो गया हैं, कि उनका विधिक में कितना महत्व है। आपका दिया हुआ एविडेंस कितना काम का है। कार्यशाला में मंच संचालक एडीपीओ धर्मराज मिमरोट ने किया। कार्यशाला में रामदास जमरे, आरती अग्रवाल, अर्चना डांगी, सावनसिंह गाडरिया, ललिता ब्राहम्णे, सपना मण्डलोई, प्रियंका मेडा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।